वर्गीकरण में समाजशास्त्र
(CLASSIFICATION IN SOCIOLOGY)

Miss. Chhaya

Assistant professor

Department of sociology

J.k.p.(pg) college muzaffarnagar

प्रस्तावना
INTRODUCTION

प्रत्येक अध्ययन विषय अध्ययन सामग्री अर्थात् अपनी विषय वस्तु का वर्गीकरण करता है। वर्गीकरण से सामग्री अधिक बोधगम्य एवं अध्ययन के लिए सुविधाजनक हो जाती है यह ऐसे ही है जैसे भवन बनाने के लिए एकत्रित सामग्री सीमेंट, ईंट,सरिया,रेत,रोड़ी आदि को भिन्न भिन्न ढेर मैं रखा जाना। इसके विपरीत यदि सभी को एक ही ढेर में रख दिया जाएगा तो भवन बनाने के कार्य में इतनी जटिलताएं उत्पन्न हो जाएंगी कि सुचारू रूप से भवन निर्माण का कार्य ही नहीं हो पाएगा इसी प्रकार समाजशास्त्र में भी विस्तृत विषय सामग्री के वर्गीकरण की आवश्यकता पड़ती है समाजशास्त्र में प्रमुख रूप से विभिन्न प्रकार के समाज एवं सामाजिक समूहों का वर्गीकरण किया गया है प्रारंभ में अधिकांश विद्वानों ने समाज का द्वैत वर्गीकरण किया अर्थात इसे दो श्रेणियों में विभाजित किया परंतु जैसे-जैसे विषय का विकास होता जा रहा है वैसे वैसे वर्गीकरण भी बहु श्रेणियों में एवं वैज्ञानिक होता जा रहा है।

वर्गीकरण का अर्थ एवं परिभाषाएं
MEANING AND DEFINITION OF CLASSIFICATION

सामग्री के वर्गीकरण में एक समान विशेषताओं वाले तथ्यों को एक समूह के अंतर्गत रखा जाता है तथा भिन्न विशेषताओं वाले तथ्यों को दूसरे समूह में। उदाहरण स्वरूप यदि पुरुषों को एक वर्ग में रखा जाएगा तो महिलाओं को दूसरे वर्ग में। इस प्रकार वर्गीकरण के अंतर्गत तथ्यात्मक आधार सामग्री का ढेर विभिन्न समान गुणों वाले विशिष्ट वर्गों में परिणत हो जाता है।

- **कॉनर के अनुसार-"** वर्गीकरण तथ्यों को उनकी समानताओं तथा निकटता के आधार पर समूहों तथा वर्गो में क्रमबद्ध करने तथा व्यक्तिगत इकाइयों की भिन्नता के मध्य पाए जाने वाले गुणों की एकात्मकता को प्रकट करने की एक प्रक्रिया है।"
- **एलहांस के अनुसार-"**सादृश्यताओं व समानताओं के अनुसार सामग्री को समूहों या वर्गों में व्यवस्थित करने की प्रक्रिया को तकनीकी दृष्टि से वर्गीकरण कहा जा सकता है।"

उपर्युक्त परिभाषाओं के आधार पर हम कह सकते हैं कि वर्गीकरण एकीकृत सामग्री का समान गुणों के आधार पर विभिन्न वर्गों अथवा श्रेणियों में विभाजन करने की प्रक्रिया है।

वर्गीकरण की विशेषताएं
CHARACTERISTICS OF CLASSIFICATION

- वर्गीकरण स्पष्ट होना चाहिए
- विभिन्न वर्ग एक दूसरे से भिन्नन होने चाहिए
- वर्गीकरण का आधार एक होना चाहिए
- वर्गीकरण में स्थायित्व होना चाहिए
- वर्गों तथा श्रेणियों की संख्या उपयुक्त होनी चाहिए
- वर्गीकरण सर्वागीण होना चाहिए
- वर्गीकरण में परिवर्तन शीलता होनी चाहिए

वर्गीकरण के उद्देश्य (OBJECTIVES O CLASSIFICATION)

- अध्ययन सामग्री की प्रकृति को स्पष्ट करना
- सामग्री का सक्षिंप्तीकरण कर बौधगम्य बनाना
- विश्लेषण की प्रक्रिया में सहायता देना
- सामान्यीकरण में सहायता प्रदान करना
- सामग्री को अधिक तुलना योग्य स्वरूप प्रदान करना

समाजशास्त्र में वर्गीकरण की संबद्धता
RELEVANCE OF CLASSIFICATION IN SOCIOLOGY

- अध्ययन को अधिक वैज्ञानिक बनाना
- अध्ययन सामग्री को तुलना योग्य बनाना
- अध्ययन सामग्री को अधिक बोधगम्य बनाना
- सिद्धांतों के निर्माण में सुगमता
- विषय की व्यवहारिकता को बढ़ाने में सहायक

वर्गीकरण के प्रकार
TYPES OF CLASSIFICATION

- गुणात्मक वर्गीकरण या गुणों के आधार पर वर्गीकरण

1. सरल या द्वैत वर्गीकरण
2. बहुगुणी वर्गीकरण

- गणनात्मक वर्गीकरण या चरों के आधार पर वर्गीकरण

1. असतत श्रेणी के अनुसार वर्गीकरण
2. सतत श्रेणी अथवा वर्गान्तर के अनुसार वर्गीकरण

- सामयिक वर्गीकरण
- स्थानानुसार वर्गीकरण

वर्गीकरण के सामान्य सिद्धांत
GENERAL PRINCIPLES CLASSIFICATION

- समानता एवं असमानता का सिद्धांत
- वर्ग विभाजन का सिद्धांत
- वर्ग विशेषता का सिद्धांत
- सरल एवं बहुगुणी वर्गीकरण का सिद्धांत
- अंकन का सिद्धांत

सामाजिक वर्गीकरण के प्रमुख आधार
MAIN BASIC OF SOCIAL CLASSIFICATION

- गुणात्मक आधार
- गणनात्मक आधार
- काल के आधार पर
- भौगोलिक आधार

उपर्युक्त विवेचना से स्पष्ट है कि प्राकृतिक विज्ञानों के समान सामाजिक अध्ययन में तार्किकता एवं वस्तुनिष्ठता के उद्देश्य की पूर्ति के लिए अध्ययन सामग्री का वर्गीकरण किया जाना अत्यंत आवश्यक एवं महत्वपूर्ण है।

Thank you